भारत - आयरलैंड संबंध

भारत और आयरलैंड के बीच संबंध 19वीं शताब्दी से ही चले आ रहे हैं जब भारी संख्या में आयरलैंड के लोगों ने भारत में ब्रिटिश सिविल सेवा, उपनिवेशी चिकित्सा एवं इंजीनियरिंग सेवाओं तथा उपनिवेशी आर्मी रेजीमेंट को ज्वाइन किया था। इस अवधि के दौरान, आयरिश मिशनरी एवं शिक्षाविद भी भारत के सभी क्षेत्रों में फैले। बीसवीं शताब्दी के शुरूआती वर्षों से ही दोनों देशों के राष्ट्रवादी आंदोलनों के बीच संबंध से ये कड़ियां और मजबूत हुईं। दोनों देशों के स्वतंत्रता आंदोलनों के नेता एक दूसरे से प्रेरित थे। भारत के प्रधानमंत्री ने 23 सितंबर, 2015 को आयरलैंड का आधिकारिक दौरा किया तथा टाओसीच एंडा केन्नी से मुलाकात की प्रधानमंत्री ने दूतावास द्वारा आयोजित एक सामुदायिक कार्यक्रम में आयरलैंड में भारतीय समुदाय से भी मुलाकात की।

भारत और आयरलैंड के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध वर्ष 1947 में स्थापित हुए। भारत ने 1951 में डबलिन में अपना दूतावास खोला। नई दिल्ली में आयरिश दूतावास 1964 में स्थापित हुआ तथा मुंबई एवं बंगलुरू में मानद कांसुलेट क्रमश: 1976 एवं 2000 में स्थापित हुए। 2010 में चेन्नई एवं कोलकाता में नए मानद कांसुलेट स्थापित किए गए हैं।

दोनों देशों के बीच जन दर जन संबंध आतंकी बम विस्फोट में 23 जून 1985 को आयरलैंड के दक्षिण - पश्चिम तट पर एयर इंडिया के जहाज - कनिष्का के क्रैश होने के बाद और सुदृढ़ हो गए। पीड़ितों के परिवारों को स्थानीय लोगों द्वारा प्रदान किए गए समर्थन एवं सहायता तथा अपनत्व के असाधारण स्तर से एक अनोखे रिश्ते का जन्म हुआ। अहकिस्टा गांव में पत्थर की एक संस्मारक पट्टिका लगाई गई जो विमान के क्रैश हो जाने की साइट के समीप स्थित है तथा वहां स्थानीय लोगों द्वारा संस्मारक समारोह का आयोजन किया जाता है। 23 जून, 2015 को विदेश राज्य मंत्री डा. (जनरल) वी के सिंह (सेवानिवृत्त) ने अहकिस्टा में आयोजित क्रैश की तीसवीं वर्षगांठ में भाग लिया।

2005 से आयरलैंड का कोई न कोई मंत्री सेंट पैट्रिक दिवस पर भारत का दौरा किया है, पिछली बार मार्च 2015 में बाल एवं युवा मामले मंत्री डा. जेम्स रिली ने भारत का दौरा किया था। 2013 से 2015 के दौरान अन्य यात्राएं इस प्रकार हैं : बाल मंत्री सुश्री फ्रांसिस फिट्जगेराल्ड ने मार्च 2013 में सेंट पैट्रिक दिवस पर भारत का दौरा किया, नवंबर 2013 में नई दिल्ली में असेम विदेश मंत्री बैठक में भाग लेने के लिए यूरोपीय मामले राज्य मंत्री श्री पास्चल दोनोहो ने भारत का दौरा किया, शिक्षा और कौशल, अनुसंधान एवं नवाचार विभाग में राज्य मंत्री श्री डैमिन इंग्लिश ने नवंबर 2014 में और नौकरी, उद्यम तथा नवाचार मंत्री श्री रिचर्ड ब्रुटन ने नवंबर 2013 और अप्रैल 2014 में भारत का दौरा किया।

दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित प्रमुख करारों में निम्नलिखित शामिल हैं : (i) फरवरी 1991 में हस्ताक्षरित हवाई परिवहन करार; (ii) अक्टूबर 1993 में हस्ताक्षरित विदेश कार्यालय परामर्श के लिए करार; (iii) सूचना

प्रौद्योगिकी पर संयुक्त कार्यसमूह के लिए एम ओ यू जिस पर अप्रैल 2000 में हस्ताक्षर किए गए; (iv) दोहरा कराधान परिहार करार जिस पर नवंबर 2000 में हस्ताक्षर किए गए; (v) संस्कृति में सहयोग के लिए करार; (vi) वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय सहयोग पर करार (vii) साइंस फाउंडेशन आयरलैंड (एस एफ आई) और भारत राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के बीच सहयोग पर करार जिस पर 2006 में हस्ताक्षर किए गए।

पिछले विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन फरवरी, 2015 में डबलिन में हुआ। भारत और आयरलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2014-15 में 1.2 बिलियन अमरीकी डॉलर पर पहुंच गया, जो 2013-14 में 972 मिलियन अमरीकी डॉलर था। 2013-14 की तुलना में, भारत से आयरलैंड को निर्यात में 83.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई (कुल 760 मिलियन अमरीकी डॉलर) तथा आयात में 4.51 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई (कुल 533 मिलियन अमरीकी डॉलर)। भारत आयरलैंड को जिन वस्तुओं का निर्यात करता है उनमें मुख्य रूप से टेक्सटाइल, गारमेंट और कपड़े के साजो-सामान, भेषज पदार्थ, लाइट इंजीनियरिंग गुड्स एवं रसायन शामिल हैं। भारत आयरलैंड से जिस वस्तुओं का आयात करता है उनमें मुख्य रूप से दूर संचार उपकरण, कंप्यूटर असेसरीज, प्रिसीजन इक्विपमेंट तथा भेषज पदार्थ शामिल हैं।

आयरलैंड में भारत की जिन प्रमुख कंपनियों की उपस्थिति है उनमें वोकहाड्र्ट, सन फार्मा, रिलायंस जेनेमेडिक्स लिमिटेड, इंफोसिस, सी जी ग्लोबल, फर्स्ट सोर्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एच सी एल, विप्रो, दीपक फास्टनर्स, जैन इरिगेशन यूरोप, अदिति टेक्नोलॉजीज और सिनोलेज शामिल हैं।

आयरलैंड की जिन प्रमुख कंपनियों की भारत में उपस्थिति है उनमें सी आर एच टैक्सबैक ग्रुप, कोनोली रेड मिल्स, ग्लोबोफोर्स, आइकॉन, केरी ग्रुप, डायजियो, ग्लैनबिया शामिल हैं।

हाल ही में, उच्च शिक्षा, विशेष रूप से इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, मेडिसिन और प्रबंधन के क्षेत्रों में स्नातकोत्तर, डाक्टोरल और पोस्ट डाक्टोरल पाठ्यक्रमों की पढ़ाई करने के इच्छुक भारतीय छात्रों के लिए आयरलैंड एक महत्वपूर्ण गंतव्य बनता जा रहा है। आयरलैंड की उच्च शिक्षा संस्थाओं में 1400 से अधिक भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

डबलिन शहर विश्वविद्यालय में राजनीति एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर एक आई सी सी आर पीठ है। दोनों देशों की अग्रणी संस्थाएं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक दूसरे के साथ सहयोग कर रही हैं।
आयरलैंड के तकरीबन 12000 पर्यटक हर साल भारत आते हैं। इसी तरह कामन ब्रिटिश - आयरिश वीजा स्कीम की शुरुआत के बाद भारतीय पर्यटकों के लिए आयरलैंड भी एक प्रमुख टूरिस्ट आकर्षण बन गया है। 15 अगस्त, 2015 से आयरलैंड को इलेक्ट्रानिक वीजा सुविधा प्रदान की गई है।

आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित एक गायक मंडली - नागालैंड सिंगिंग अम्बेसडर्स ने नवंबर 2014 में आयरलैंड का दौरा किया तथा आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित एक अन्य 4 सदस्यीय संगीत मंडली, मद्रास स्ट्रिंग क्वाट्रेट ने जुलाई 2015 में डबलिन का दौरा किया।

स्थानीय योग संस्थानों तथा भारतीय समुदाय के साथ मिलकर दूतावास द्वारा सेंट एनीज पार्क, क्लोनटार्फ, डबलिन में 21 जून को पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

आयरलैंड में लगभग 26,000 भारतीय या भारतीय मूल के व्यक्ति हैं, जिनमें से लगभग 17,000 भारतीय नागरिक हैं। अधिकांश समुदाय स्वास्व्थ्य देख-रेख (डाक्टर और नर्स), आईटी, इंजीनियरिंग और वरिष्ठ प्रबंधन के पदों पर हैं। स्थानीय समुदाय द्वारा भारतीय समुदाय का भरपूर आदर किया जाता है तथा यह आयरलैंड के समाज के साथ अच्छी तरह घुलमिल गया है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, डबलिन की वेबसाइट :
http://www.indianembassy.ie/

भारतीय दूतावास, डबलिन का फेसबुक पृष्ठ:
https://www.facebook.com/IndiainIreland

भारतीय दूतावास, डबलिन का ट्विटर लिंक :
https://mobile.twitter.com/IndiainIreland

***

जनवरी, 2016